* G A - 0 1 6 0 2 6 *

GA-016026 Seat No._____

B. A. (Sem. VI) Examination

March / April - 2019

BA00C601 : Hindi : Core

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचक)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(२) सभी प्रश्न के अंक समान हैं ।

१ प्लेटो के काव्य विषयक सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

१ आई.ए. रिचड्स के मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत को समझाइए । १४

२ 'साम्यवादी विचारधारा कार्ल मार्क्स की देन है' इस विधान को विस्तार से समझाइए । १४

अथवा

२ बीसवीं शताब्दी की आलोचना में मनोविश्लेषणवाद की महत्ता को स्पष्ट कीजिए । १४

३ बिम्ब की परिभाषा लिखते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

३ मिथक की परिभाषा लिखते हुए उसकी महत्ता को स्पष्ट कीजिए । १४

४ टिप्पणी लिखिए : १४

(अ) हिन्दी आलोचक के रूप में आ. रामचंद्र शुक्ल के योगदान की चर्चा कीजिए ।

अथवा

(ब) संक्षेप में लिखिए :

(१) आचार्य नंददुलारे बाजपेयी ।

(२) आलोचक डॉ. नामवरसिंह ।

५ सूचनानुसार कीजिए : १४

(अ) निम्नलिखित विधान सही (✓) है या गलत (×) बताइए :

(१) आर्नल्ड ने कविता को जीवन की आलोचना कहा है ।

(२) आई.ए. रिचड्स एक महान नाटककार थे ।

(३) फ्रोइड के अनुसार मनुष्य एक सशक्त प्राणी है ।

(४) बीसवीं शताब्दी का साहित्य मुख्य रूप से मनोविज्ञान से प्रभावित साहित्य माना जाता है ।

(५) बिम्बवाद आन्दोलन का आरंभ युरोप में हुआ ।

(६) 'एक कंठ विषपायी' दुष्यंतकुमार की रचना है ।

(७) आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिन्दी आलोचना के युग पुरूष हैं ।

(ब) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(१) ..... यूनान के सुप्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के परम शिष्य थे ।

(प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू आर्नल्ड)

(२) कवि ..... का निर्माता नहीं है, वह तो केवल अनुकरण करता है ।

(समाज, सत्य, राजनीति)

(३) ..... द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद कहलाता है ।

(स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सदर्शन, मनोविश्लेषणवाद)

(४) ..... कला को कला के लिए स्वीकार नहीं करता ।

(मार्क्स, हीगल, प्लेटो)

(५) टी.एस. इलियट की कविता ..... से प्रभावित थी ।

(प्रतीकवाद, बिम्बवाद, मार्क्सवाद)

(६) पाश्चात्य साहित्य में ..... का महत्वपूर्ण स्थान है ।

(प्रतीक, कल्पना, मिथक)

(७) शुक्लजी ने ..... को काव्य की आत्मा स्वीकार किया था ।

(व्यंजनाशक्ति, रस, अलंकार)